एम.एच.डी.-1

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2009

02264

एम.एच.डी.-1 : हिन्दी काव्य-1

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **10x2=20**

(a) मोकों कहाँ ढूढ़े बन्दे, मैं तो तेरे पास में।
ना मैं देवल ना मैं मसजिद ना काबे कैलास में।
ता तो कौने क्रिया-कर्म में , नहीं योग बैराग में।
खोजी होय तो तुरतै मिलिहों, पल भर की तालास में।
कहै कबीर सुनो भई साधो, सब स्वाँसों की स्वाँस में।।

(b) खरग, धनुक, चक बान दुइ, जग मारन तिन्ह नाँव।
सुनि कै परा मुरूछि कै (राजा) मोकहँ हए कुठाँव।।

(c) कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत हैं नैननु हीं सब बात।।

2. 'पृथ्वीराज रासो' की प्रामाणिकता पर विचार कीजिए। 10

3. कबीर की विचारधारा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 10

4. तुलसी की भाषा का मूल्यांकन कीजिए। 10

5. सूर के भ्रमरगीत की विशेषताएं उद्घटित कीजिए। 10

6. मीरा के विरह वर्णन पर प्रकाश डालिए। 10

7. मुक्तक काव्य परंपरा में बिहारी का स्थान निर्धारित कीजिए। 10

8. पद्माकर के काव्य में व्यक्त शृंगार की विशेषताएं स्पष्ट कीजिए। 10

- o O o -